RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 12th POLITY

क्षेत्रीय आकांक्षाएं



RAPID REVISION

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 1965 से पहले किस राज्य के मुखिया को प्रधानमंत्री कहा जाता था? (RBSE-2026)

(अ) जम्मू-कश्मीर

(ब) मेघालय

(स) नागालैंड

(द) मिजोरम

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

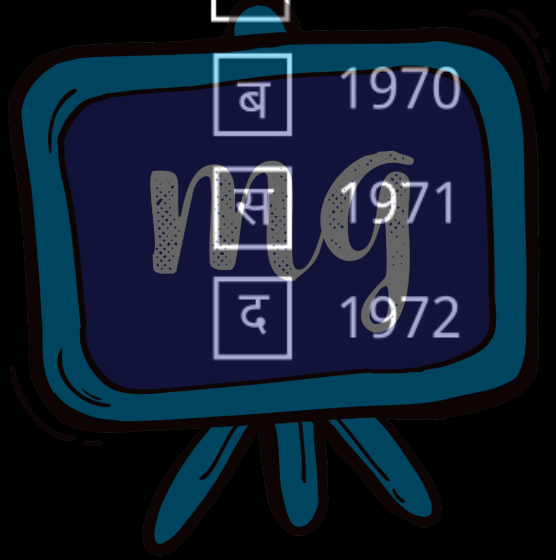
2. मेघालय राज्य का निर्माण कब हुआ? (RBSE-2024)

अ 1969

ब 1970

स 1971

द 1972



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. 'आसू' किस राज्य में सक्रिय है? (RBSE-2024)

अ असम

ब मिजोरम

स गुजरात

द मणिपुर



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

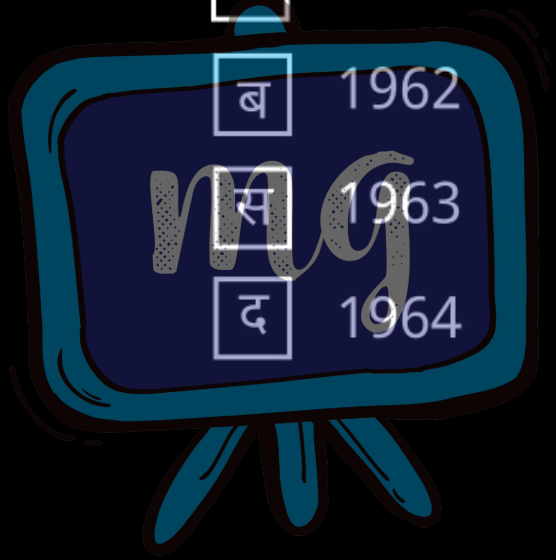
4. नगालैंड कब पूर्ण राज्य बना? (RBSE-2025)

अ 1961

ब 1962

स 1963

द 1964



5. असम आंदोलन में किस देश से आए लोगों का मुद्दा प्रमुख था? (RBSE-2025)

अ बांग्लादेश

ब पाकिस्तान

स श्रीलंका

द नेपाल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. मिजो नेशनल फ्रंट के संस्थापक कौन थे?

(Model Paper-2025)

अ लालडेंगा

ब फिजो

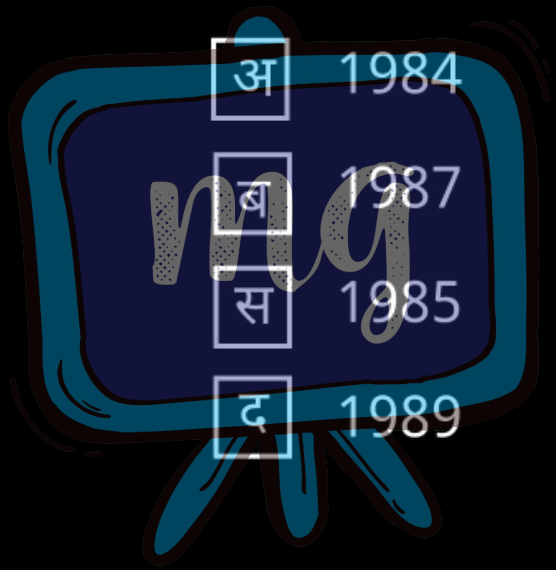
स खांगसरपा

द इनमें से कोई नहीं



7. असम समझौता कब हुआ?

(Model Paper-2026)



अ 1984

ब 1987

स 1985

द 1989

8. दिसम्बर 1961 से पूर्व तक संघ शासित प्रदेश गोवा में किस देश का शासन रहा? (Model Paper-2026)

अ फ्रांस

ब स्पेन

स पुर्तगाल

द ब्रिटेन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

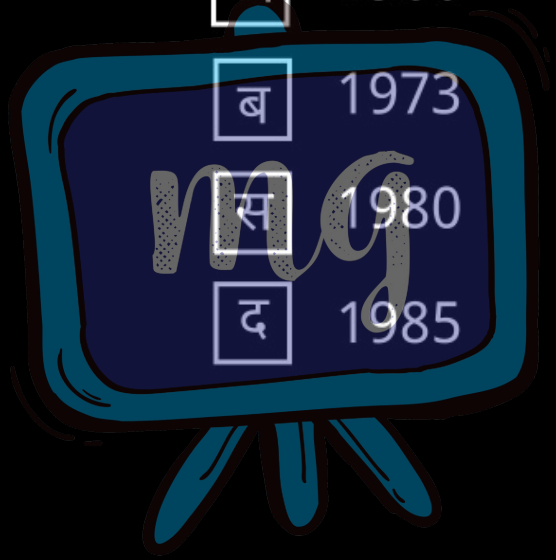
9. आनंदपुर साहिब प्रस्ताव कब पारित हुआ?

अ 1966

ब 1973

स 1980

द 1985



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

10. ऑपरेशन ब्लू स्टार कब चलाया गया?

अ जून 1984

ब जुलाई 1985

स अक्तूबर 1984

द 1992



रिक्त स्थान

1. जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम वर्ष _____ में बना।

(Model Paper-2025)

2. ऑपरेशन ब्लू स्टार का संबंध _____ राज्य से है।

(Model Paper-2024)



3. मार्च 1948 में _____ जम्मू और कश्मीर के प्रधानमंत्री बने।



4. 1965 में राज्य के प्रधानमंत्री का पदनाम बदलकर _____ कर दिया गया।



5. आनंदपुर साहिब प्रस्ताव भारत में _____ को मजबूत करने की अपील करता है।



अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

1. **जम्मू-कश्मीर को किस अनुच्छेद के तहत विशेष दर्जा प्राप्त था?** (RBSE-2025)

उत्तर– जम्मू-कश्मीर को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के अंतर्गत विशेष दर्जा प्राप्त था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. 'सात बहनों' का क्षेत्र किसे कहा जाता है?

(RBSE-2024)

उत्तर– पूर्वोत्तर भारत के सात राज्यों के समूह को 'सात बहनें' कहा जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. जम्मू-कश्मीर की प्रथम महिला मुख्यमंत्री कौन बनीं? (Model Paper-2026)

उत्तर– महबूबा मुफ्ती जम्मू-कश्मीर की प्रथम महिला मुख्यमंत्री बनीं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. आसू की कोई दो माँगें बताइए।

(Model Paper-2025)

उत्तर– आसू की दो प्रमुख माँगें थीं—अवैध आप्रवासियों का विरोध तथा 1951 के बाद असम में बसे लोगों को राज्य से बाहर भेजना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. आसू की कोई दो माँगें बताइए।

(Model Paper-2025)

उत्तर– आसू की दो प्रमुख माँगें थीं—अवैध आप्रवासियों का विरोध तथा 1951 के बाद असम में बसे लोगों को राज्य से बाहर भेजना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. 1985 के पंजाब समझौते के समय अकाली दल के अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर– हरचंद सिंह लोंगोवाल 1985 के पंजाब समझौते के समय अकाली दल के अध्यक्ष थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

7. नगा अलगाववादी आंदोलन के प्रमुख नेता कौन थे?

उत्तर– अंगमी जापू फिजो नगा अलगाववादी आंदोलन के प्रमुख नेता थे।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

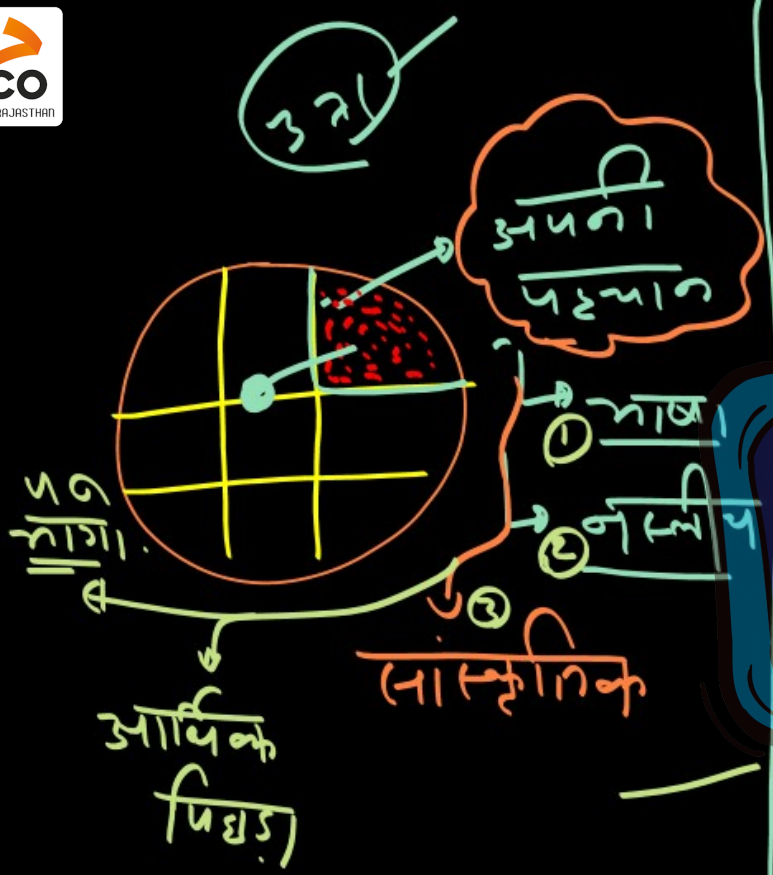
8. गोवा के साथ कौन-से दो अन्य क्षेत्र पुर्तगाली शासन से मुक्त हुए?

उत्तर– गोवा के साथ दमन और दीव पुर्तगाली शासन से मुक्त हुए।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अनुप्रयोग

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. क्षेत्रवाद से निपटने के दो उपाय बताइए।

(RBSE-2024)

उत्तर–

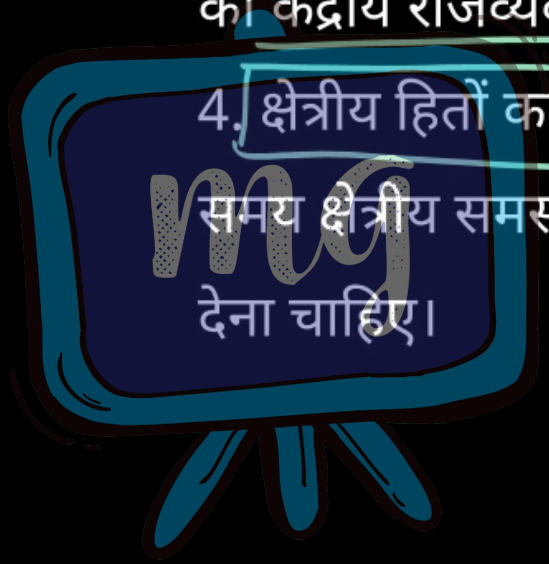
1. लोकतांत्रिक बातचीत: क्षेत्रीय आकांक्षाओं को दबाने के बजाय बातचीत और समझौते के माध्यम से उनका समाधान करना चाहिए।
2. संवैधानिक समाधान: क्षेत्रीय विवादों को भारतीय संविधान के दायरे में रहकर सुलझाना चाहिए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. सत्ता में भागीदारी: विभिन्न क्षेत्रों के दलों और समूहों को केंद्रीय राजव्यवस्था में हिस्सेदारी देनी चाहिए।

4. क्षेत्रीय हितों का सम्मान: राष्ट्रीय स्तर पर निर्णय लेते समय क्षेत्रीय समस्याओं और हितों को उचित महत्त्व देना चाहिए।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. राजीव-लोंगोवाल समझौते के दो बिंदु बताइए।

(RBSE-2025)

पंजाब

उत्तर–

1. चंडीगढ़ का हस्तांतरण: समझौते में चंडीगढ़ को पंजाब को देने पर सहमति हुई।

2. सीमा विवाद का समाधान: पंजाब और हरियाणा के बीच सीमा विवाद को सुलझाने के लिए एक अलग आयोग की नियुक्ति करने का निर्णय हुआ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. जल बँटवारा: पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के बीच रावी-व्यास नदियों के पानी के बँटवारे के लिए न्यायाधिकरण गठित करने पर सहमति हुई।

4. मुआवजा एवं पुनर्वास: पंजाब में उग्रवाद से प्रभावित लोगों को मुआवजा देने और उनके साथ बेहतर व्यवहार करने का निर्णय हुआ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

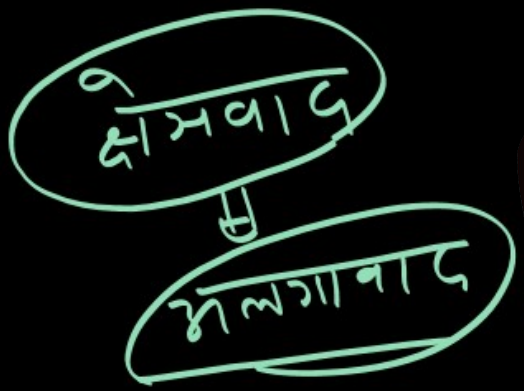
3. आनंदपुर साहिब प्रस्ताव के विवादास्पद होने के क्या कारण थे? कोई दो कारणों का उल्लेख कीजिए। (Model Paper-2024)

उत्तर–

1. **क्षेत्रीय स्वायत्तता:** प्रस्ताव में पंजाब के लिए क्षेत्रीय स्वायत्तता की माँग की गई थी।
2. **केंद्र-राज्य संबंध:** इसमें केंद्र और राज्यों के संबंधों को पुनर्परिभाषित करने की बात कही गई थी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

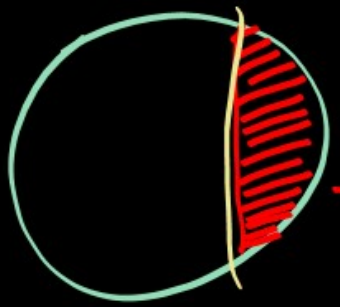


3. सिख कौम की आकांक्षाएँ: प्रस्ताव में सिखों को एक 'कौम' अर्थात् समुदाय मानते हुए उनकी आकांक्षाओं पर विशेष जोर दिया गया।

4. सिखों का बोलबाला: प्रस्ताव में सिखों के 'बोलबाला' अर्थात् प्रभुत्व या वर्चस्व का ऐलान किया गया था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4. पूर्वोत्तर के राज्यों में राजनीति पर किन्हीं दो प्रमुख मुद्दों के बारे में बताइए।

(Model Paper-2023, Model Paper-2025)

उत्तर–

1. स्वायत्तता की माँग: पूर्वोत्तर के विभिन्न समुदायों ने अपनी भाषायी, सांस्कृतिक और जनजातीय पहचान बनाए रखने के लिए स्वायत्तता की माँग की।

2. अलगाववादी आंदोलन: कुछ समूहों ने भारत से अलग स्वतंत्र देश बनाने की माँग करते हुए आंदोलन चलाए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

AASU

3. बाहरी लोगों का विरोध: बड़े पैमाने पर आप्रवास के कारण स्थानीय लोगों ने रोजगार, भूमि और राजनीतिक सत्ता पर बाहरी लोगों के प्रभाव का विरोध किया।

4. राजनीतिक संवेदनशीलता: क्षेत्र का अलग-थलग पड़ना, जटिल सामाजिक संरचना और आर्थिक पिछड़ापन इन समस्याओं को अधिक संवेदनशील बनाते रहे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निष्कर्ष

5. 1986 में राजीव-लाल डेंगा समझौते की कोई दो शर्तें संक्षेप में लिखिए। (Model Paper-2026)

उत्तर–

1. **पूर्ण राज्य का दर्जा:** समझौते के अंतर्गत मिजोरम को पूर्ण राज्य का दर्जा देने पर सहमति हुई।

2. **विशेष अधिकार:** मिजोरम को कुछ विशेष अधिकार प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

3. सशस्त्र संघर्ष की समाप्ति: मिजो नेशनल फ्रंट अलगाववादी संघर्ष की राह छोड़ने पर सहमत हुआ।

4. मुख्यमंत्री: समझौते के बाद लालडेंगा मिजोरम के मुख्यमंत्री बने।



6. कश्मीरियत और नेशनल कॉन्फ्रेंस की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–

1. कश्मीरियत की अवधारणा: कश्मीर के लोगों की क्षेत्रीय पहचान और अभिलाषा को कश्मीरियत कहा गया।

2. क्षेत्रीय पहचान: कश्मीर के लोग स्वयं को सबसे पहले कश्मीरी मानते थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शेख अब्दुल्ला
⇓
फारूख अब्दुल्ला

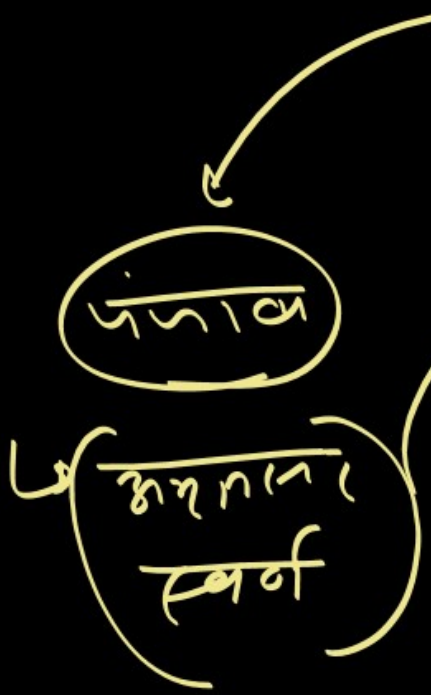
3. नेशनल कॉन्फ्रेंस का नेतृत्व: शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने महाराजा के शासन से मुक्ति के लिए आंदोलन चलाया।

4. धर्मनिरपेक्ष संगठन: नेशनल कॉन्फ्रेंस एक धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक संगठन था।

5. पाकिस्तान में विलय का विरोध: यह संगठन जम्मू-कश्मीर के पाकिस्तान में विलय के विरुद्ध था तथा इसके कांग्रेस से पुराने संबंध थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



7. ऑपरेशन ब्लू स्टार के प्रमुख परिणाम बताइए।

उत्तर–

1. उग्रवादियों के विरुद्ध कार्रवाई: जून 1984 में भारतीय सेना ने स्वर्णमंदिर में मौजूद उग्रवादियों के विरुद्ध सैन्य अभियान चलाया।
2. स्वर्णमंदिर को क्षति: सैन्य कार्रवाई में ऐतिहासिक स्वर्णमंदिर को नुकसान पहुँचा।
3. धार्मिक भावनाएँ आहत: सिख समुदाय के अधिकांश लोगों ने इस कार्रवाई को अपनी धार्मिक आस्था पर हमला माना।
4. उग्रवाद को बल: इस घटना से उग्रवादी और चरमपंथी समूहों को अधिक समर्थन और बल मिला।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



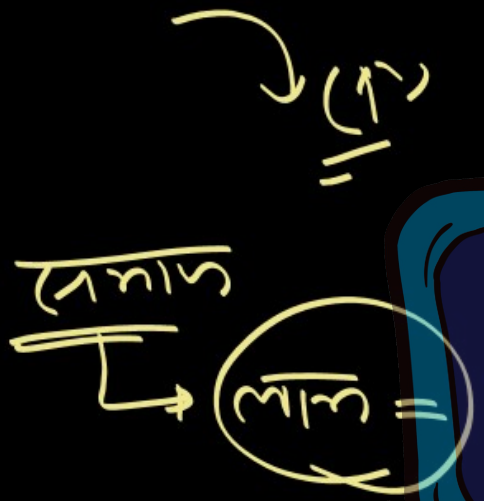
8. असम आंदोलन की प्रमुख पृष्ठभूमि बताइए।

उत्तर–

1. बाहरी लोगों का आगमन: असम में बांग्लादेश से आए आप्रवासियों के कारण स्थानीय लोगों में असंतोष बढ़ा।
2. अल्पसंख्यक बनने का भय: असमी जनता को आशंका थी कि बाहरी लोगों के कारण वे अपने ही राज्य में अल्पसंख्यक बन सकते हैं।
3. अवैध आप्रवास: अवैध आप्रवासियों और मतदाता सूची में उनके नाम दर्ज होने का विरोध किया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4. आर्थिक पिछड़ापन: असम में तेल, चाय और कोयले जैसे प्राकृतिक संसाधन होने के बावजूद व्यापक गरीबी थी।

5. संसाधनों का असमान लाभ: स्थानीय लोगों को लगा कि राज्य के प्राकृतिक संसाधन बाहर भेजे जा रहे हैं, लेकिन उनका लाभ असमी जनता को नहीं मिल रहा है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

9. गोवा के महाराष्ट्र में विलय के प्रश्न पर दो प्रमुख पक्ष कौन-से थे?

उत्तर —

1. महाराष्ट्र में विलय का पक्ष: महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी गोवा को महाराष्ट्र में मिलाने की समर्थक थी।

2. भाषायी आधार: इस पक्ष का मानना था कि गोवा मराठी-भाषी क्षेत्र है, इसलिए इसे महाराष्ट्र में शामिल किया जाना चाहिए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. स्वतंत्र पहचान का पक्ष: गोवा के अनेक लोग अपनी अलग गोवानी पहचान और संस्कृति बनाए रखना चाहते थे।

4. कोंकणी भाषा का समर्थन: यूनाइटेड गोअन पार्टी (UGP) ने गोवा की स्वतंत्र पहचान और कोंकणी भाषा के पक्ष का नेतृत्व किया।

दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न

1. क्षेत्रीय आकांक्षाओं से भारतीय राजनीति को कौन-से सबक मिलते हैं? (RBSE-2026)

उत्तर– भूमिका:

भारत विविध भाषाओं, संस्कृतियों और क्षेत्रीय पहचानों वाला लोकतांत्रिक देश है। विभिन्न क्षेत्रों में उठने वाली क्षेत्रीय आकांक्षाएँ भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति का अभिन्न अंग हैं। इनसे राष्ट्रीय एकता और क्षेत्रीय विविधता में संतुलन बनाए रखने के महत्त्वपूर्ण सबक मिलते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मुख्य बिंदु:

1. क्षेत्रीय आकांक्षाओं की स्वीकृति: क्षेत्रीय आकांक्षाएँ लोकतांत्रिक राजनीति का अभिन्न अंग हैं। इन्हें असामान्य या राष्ट्र-विरोधी नहीं माना जाना चाहिए।
2. लोकतांत्रिक बातचीत: क्षेत्रीय माँगों को बलपूर्वक दबाने के बजाय बातचीत, सुलह और समझौते द्वारा हल करना अधिक उचित है।
3. संवैधानिक समाधान: क्षेत्रीय विवादों का समाधान भारतीय संविधान के दायरे में रहकर किया जाना चाहिए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. सत्ता की साझेदारी: विभिन्न क्षेत्रों के राजनीतिक दलों और समूहों को केंद्रीय राजव्यवस्था में उचित हिस्सेदारी मिलनी चाहिए।

5. क्षेत्रीय हितों का सम्मान: राष्ट्रीय निर्णयों में क्षेत्रों की समस्याओं, जरूरतों और आकांक्षाओं को पर्याप्त महत्त्व देना आवश्यक है।

6. आर्थिक असमानता को कम करना: क्षेत्रों के बीच आर्थिक विकास की असमानता से भेदभाव और अलगाव की भावना पैदा हो सकती है। इसलिए पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर ध्यान देना चाहिए।

7. लचीली संघीय व्यवस्था: भारत की लचीली संघीय प्रणाली विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों की विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्थाएँ करने में सहायक है।

8. विविधता का सम्मान: भारतीय लोकतंत्र की सफलता के लिए राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक विविधता के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. गोवा की मुक्ति और राज्य बनने की प्रक्रिया बताइए। (RBSE-2026)

उत्तर– भूमिका:

भारत की स्वतंत्रता के बाद भी गोवा, दमन और दीव पर पुर्तगाल का शासन बना रहा। गोवा की जनता ने औपनिवेशिक शासन से मुक्ति के लिए आंदोलन किया। अंततः गोवा 1961 में मुक्त हुआ और 1987 में पूर्ण राज्य बना।

मुख्य बिंदु:

1. पुर्तगाली शासन: गोवा, दमन और दीव सोलहवीं सदी से पुर्तगाल के औपनिवेशिक शासन के अधीन थे। 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद भी पुर्तगाल ने इन क्षेत्रों से शासन हटाने से इनकार कर दिया।

2. स्वतंत्रता आंदोलन: गोवा में पुर्तगाली शासन के विरुद्ध मजबूत जन आंदोलन चला, जिसे महाराष्ट्र के समाजवादी सत्याग्रहियों ने भी समर्थन दिया।

3. शांतिपूर्ण प्रयास: भारत सरकार ने पहले शांतिपूर्ण तरीके से पुर्तगाल को शासन समाप्त करने के लिए सहमत करने का प्रयास किया।

4. गोवा की मुक्ति: दिसंबर 1961 में भारत सरकार ने गोवा में सेना भेजी। भारतीय सेना ने दो दिन की कार्रवाई में गोवा को मुक्त कराया।

5. संघशासित प्रदेश का निर्माण: मुक्ति के बाद गोवा, दमन और दीव को संघशासित प्रदेश बनाया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. महाराष्ट्र में विलय का विवाद: महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी ने गोवा को महाराष्ट्र में मिलाने की माँग की, जबकि यूनाइटेड गोअन पार्टी ने गोवा की स्वतंत्र पहचान और कोंकणी भाषा का समर्थन किया।

7. जनमत सर्वेक्षण: जनवरी 1967 में विशेष जनमत सर्वेक्षण कराया गया। अधिकांश लोगों ने महाराष्ट्र से अलग रहने के पक्ष में मतदान किया।

8. पूर्ण राज्य का दर्जा: जनमत सर्वेक्षण के बाद गोवा संघशासित प्रदेश बना रहा और अंततः 1987 में भारत संघ का एक राज्य बन गया।